तुझ संग प्रीत लगाई सांवरा

प्रीत के रसिया सांवरे प्रीत का रखना मान
अपने इस पागल प्रेमी का पल पल रखना ध्यान

तुझ संग प्रीत लगाई सांवरा सांवरा सांवरा ओ सांवरिया
जग में ना कोई हारे हुए का
लाज इक तुमने बचाई सांवरा सांवरा सांवरा ओ सांवरिया
तुझ संग प्रीत लगाई सांवरा.....

दुनिया से जब भी मैंने ठीकर है खाई
हाथ मेरा थामा तूने सांवरे कन्हाई
गले से लगाके ऐसी प्रीत जगाई
डोर मेरी तुमको थमाई सांवरा सांवरा सांवरा ओ सांवरिया
तुझ संग प्रीत लगाई सांवरा.....

स्वारथ के रिश्ते नाते करते रुस्वाई
बस एक तुमने रीत निभाई
जब भी पुकारा तुमने धीर बंधाई
हारे को जीत दिलाई सांवरा सांवरा सांवरा ओ सांवरिया
तुझ संग प्रीत लगाई सांवरा.....

टूटा जो रिश्ता अपना होगी जग हंसाई
अपना वही जो समझे दिल की गहराई
जीवन की साड़ी मेरी आस पुराई
टीटू से प्रीत निभाई सांवरा सांवरा सांवरा ओ सांवरिया
तुझ संग प्रीत लगाई सांवरा.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20024/title/tujh-sang-preet-lagaai-sanwara

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |